प्यारो घणो लागे ओ बिशनोईया म्हाने मारवाड़ रो वास

प्यारो घणो लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास,
मारवाड़ रो वास माने,
मारवाड़ रो वास,
प्यारो घणो लागे माने,
मारवाड़ रो वास।bd।

गांव रामड़ा रे माय,
प्यारो विलजी रो धाम,
गांव रणिसर पुलेजी रो,
मेलो सालो साल,
प्यारों घणों लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास।bd।

गांव ननेऊ तीरथ जां बासे,
शैतान सिंह रो नाम,
मेड़ताटि रे माय,
प्यारो बुचेजी रो धाम,
प्यारों घणों लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास।bd।

वृक्ष बचावन खेजड़ली में,
वीरों का है नाम,
हिरण बचावन बीरबल कीचड़,
पहुंच गयो प्रमाण,
प्यारों घणों लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास।bd।

बिकमकोर है गादि बैठे,
आलम जी की समाधि,
आशकरण जैसला माही,
पूरो पूरो विशवास,
प्यारों घणों लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अमर कियो है नाम जगत में,
बिश्नोईया रों नाम,
राकेश लटियाल थारू भजन बनाए,
वो भूली चुकी करो माफ,
प्यारों घणों लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास।bd।

प्यारो घणो लागे ओ बिशनोईया,
म्हाने मारवाड़ रो वास,
मारवाड़ रो वास माने,
मारवाड़ रो वास,
प्यारो घणो लागे माने,
मारवाड़ रो वास।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
राकेश जी लटियाल
8003527393

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com